Date ___/___/_____

Sub- Psychology
B.A. Part II (Hons)
Paper- III
Chapter- Models of Psychopathology
Topic – Cognitive Model

By: Nishikant Jaiswal (Assistant Professor)
Dr. L.K.V.D college Tajpur, Samastipur

Lecture-series No — 19

## Cognitive Model

जिस मोडल के अन्तर्गत मानव व्यवहार की व्याख्या संज्ञान (Cognition) तथा प्रत्यक्षीकरण (Perception) के द्वारा की जाती है उसे प्रपंचवादी या संज्ञानात्मक मॉडल कहा जाता है।

1. इस मोडल की निम्न मान्यता है कि मानव के व्यवहार के पीछे उसके अतीत (Past) से ज्यादा वर्तमान् (Present) कार्य करता है। अतः मानव के व्यवहार के निर्धारण में उसके वर्तमान सम्बन्धी घटनाओं की ज्यादा महत्ता होती है।

2. संज्ञानात्मक माडल ने मानव के व्यवहार के निर्धारण तथा उत्पत्ति में उसकी जैविक आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी है। मोडल का मानना है कि सामान्य रूप से मानव एक अच्छा प्राणी होता है जो कि सृजनात्मक (Creativity) खुशी (Joy) प्रेम (Love) दुःख (Sad)

Saathi

Date ___/___/___

समन्वय (Harmony) तथा अन्य सकारात्मक लक्ष्यों के प्रति प्रयत्नशील रहता है।

3. इस मॉडल के अनुसार मानव के व्यवहार को पूर्ण रूप से समझने के लिए यह आवश्यक है कि उस व्यक्ति का इस संसार के प्रति क्या सोचना है। उस व्यक्ति की यही सोच उसके व्यवहार के निर्धारण में सहायक होता है।

4. इस मॉडल में व्यक्ति के व्यवहार के विकास में व्यक्ति की भूमिका पर अधिक बल दिया गया है।

5. इस मॉडल का यह विश्वास है कि व्यक्ति के दृष्टिकोण से उसकी प्रत्येक क्रिया सामान्य (normal) विवेकपूर्ण (Rational) तथा समझने जैसी होती है।

संज्ञानात्मक मॉडल के गुण :-

1. संज्ञानात्मक मॉडल का मानना है कि मानव व्यवहार की अतीत की उत्पत्ति और विकास में आन्तरिक कारकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

2. संज्ञानात्मक मॉडल संज्ञान पर अधिक बल देता है। इस मॉडल का मानना है कि व्यक्ति के विकास में अन्य कारकों के साथ-2 संज्ञान का भी हाथ होता है।

3. संज्ञानात्मक मॉडल में मनुष्य के व्यवहार अन्दर निहित सकारात्मक क्षमता (Positive Potential) को व्यवहार की उत्पत्ति तथा विकास की जड़ माना है। संज्ञानात्मक मॉडल का दृष्टिकोण आशावादी है।



Scanned with CamScanner

Date __/__/____

Saathi

4. संज्ञानात्मक का आत्म-कार्यान्वयन (Self actualization) संप्रत्यय व्यक्ति के व्यवहार के विकास एवं उत्पत्ति में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस मॉडल में व्यक्ति के पूर्ण विकास पर ज़ोर दिया गया है।

संज्ञानात्मक मॉडल के दोष :—

1. संज्ञानात्मक मॉडल तनाव के व्यवहार के विकास सम्पोषण तथा परिवर्तन से सम्बन्धित कोई भी व्याख्या नहीं करता या नहीं कर सकता है।

2. संज्ञानात्मक मॉडल में मनुष्य के व्यवहार के कार्यात्मक कारणों (Functional causes) वैज्ञानिक अन्वेषण की अवहेलना की गई है।

3. संज्ञानात्मक मॉडल में वैधानिक उपयोगिता बहुत अधिक सीमित है। यह इस मॉडल का सबसे बड़ा दोष है।

Page No.

Scanned with CamScanner